दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम दिनांक
01.	एम ए एच डी – 13	सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर	31.03.2019
02.	एम ए एच डी – 14		
03.	एम ए एच डी – 15		
04.	एम ए एच डी – 16		
05.	एम ए एच डी – 17		
06.	एम ए एच डी – 18		

- अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केन्द्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर ही किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

पुरन्दरदास
पाठ्यक्रम संयोजक

दिनांक : 14.11.2018

दूर शिक्षा निदेशालय
एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य
दिशा-निर्देश

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01–01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठयचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा – **सृजनात्मक लेखन** पाठ्यचर्या के लिए विकल्प – 02, पाठ्यचर्या का शीर्षक – सृजनात्मक लेखन, पाठ्यचर्या कोड – MAHD – 18 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम दिनांक से पूर्वसम्बन्धित अध्ययन केन्द्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।

*****

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा सम्बन्धित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है ! आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है । विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए । पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है । उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा ।

सत्रीय कार्य लेखन :-

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए । तदनन्तर सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए । पूछे गए प्रश्नों से सम्बन्धित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए । निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए । साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।
02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए । कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो ।
03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है । पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो । आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है । उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए । उत्तर-

पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :--

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक - 01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षक लिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ॰ न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नभाग में सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य, एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010** अवश्य लिखिए।

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – I

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 13 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 13

पाठ्यचर्या का शीर्षक : आधुनिककालीन हिन्दी काव्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. द्विवेदीयुगीन समाज-सुधार से सम्बन्धित कविताओं का एक संकलन तैयार कीजिए।
2. अज्ञेय-विरचित उन कविताओं का एक संकलन तैयार कीजिए जो देशज आधुनिकता को विकसित करने की प्रेरणा से लिखी गई हैं।
3. केदारनाथ सिंह की कविताओं से बिम्बों को चुनकर बिम्ब के विविध प्रकारों के अनुरूप उनका वर्गीकरण कीजिए।
4. आपके क्षेत्र विशेष में प्रसिद्ध किसी एक कवि द्वारा लिखित कविताओं की तुलना साठोत्तरी हिन्दी कविताओं से कीजिए।
5. हिन्दी और उर्दू ग़ज़लों का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – II

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 14 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 14

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी आलोचना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u> ।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए ।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं ।**

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और उनके समकालीन आलोचकों की आलोचना-दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
2. डॉ॰ रामविलास शर्मा की साहित्य सम्बन्धी इतिहास-दृष्टि की मौलिकता को रेखांकित कीजिए।
3. "मुक्तिबोध से पहले आलोचना में रचना-प्रक्रिया का क्षेत्र उपेक्षित था जिस पर बात करके उन्होंने एक नवीन सैद्वान्तिक पक्ष रखा । उन्होंने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि साहित्य रचना एक सांस्कृतिक कर्म है। 'एक साहित्यिक की डायरी' में उन्होंने काव्य की रचना-प्रक्रिया पर बात करते हुए सृजन के तीन क्षणों की बात कही है। मुक्तिबोध से हिन्दी आलोचना की सैद्धान्तिक सोच का विकास हुआ है।" उक्त कथन का तार्किक आकलन करते हुए अपना पक्ष रखिए।
4. क्या संस्कृत की आलोचना पद्धति का परवर्ती काल में सम्यक् विकास हो सका है ? साहित्य के सन्दर्भ में सूक्ष्म चिन्तन की जो परम्परा भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन आदि आचार्यों में विद्यमान थी, क्या वही परम्परा केशवदास, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास आदि आचार्यों में विकसित होती दिखायी देती है ? युक्तियुक्त विचार कीजिए।
5. हिन्दी आलोचना के विकास की दृष्टि से दलित आलोचना एवं स्त्रीवादी आलोचना की मुख्य उपलब्धियों की चर्चा कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – III

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 15 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 15

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा का विकास एवं नागरी लिपि

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u> ।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए ।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं ।**

1. किसी टी॰वी॰ चैनल के हिन्दी समाचार-वाचन-प्रस्तुति को आधार बनाकर उसमें प्रयुक्त हिन्दी-रूप को लेकर, एक समीक्षात्मक रिपोर्ट तैयार कीजिए।
2. दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और हैदराबाद में बोली जाने वाली हिन्दी के मध्य अन्तर को विश्लेषित कीजिए।
3. क्या आप मानते हैं कि जिन्हें हिन्दी की बोलियाँ कहा जाता है, उनमें से किसी एक या दो या तीन को यदि संवैधानिक अधिकार मिल जाता है तो उससे हिन्दी भाषा को नुकसान होगा ! तर्कसहित अपना मत प्रस्तुत कीजिए।
4. हिन्दी की विभाषाओं में से कौन-सी विभाषा वर्तमान में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है ? उसकी लोकप्रियता के कारणों पर चर्चा कीजिए।
5. "दक्षिण भारत में मुस्लिम समुदाय हिन्दी भाषा का अधिकतर व्यवहार करता है ।" उक्त कथन के सम्बन्ध में एक शोधपरक आलेख तैयार कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – IV

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 16 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD - 16

पाठ्यचर्या का शीर्षक : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. सुब्रह्मण्यम् भारती के समान देशभक्तिपरक कविताओं की रचना करने वाले हिन्दी के किसी एक प्रसिद्ध कवि की रचनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।
2. चेम्मीन में मछुआरों के सामयिक चित्रण में तकषि शिवशंकर पिल्लै की शैली और गोदान में किसानों के चित्रण में मुंशी प्रेमचन्द की शैली का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
3. उन रचनाओं की पड़ताल कीजिए जिनमें प्रसंगवश अहल्या की कथा का समावेश हुआ है। तदनन्तर महामोह की अहल्या और आपके द्वारा तलाश की गई कृतियों की अहल्या के चारित्रिक वैशिष्ट्य का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
4. अपनी क्षेत्रीय भाषा में रचित उन नाटकों का विश्लेषण कीजिए जिनमें कुमारी बेणारे जैसे नारी पात्र पाठकों-दर्शकों के समक्ष उपस्थित किये गए हैं ?
5. 'काबुलीवाला' और 'ईदगाह' का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – V (विकल्प – 01)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 17 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – 01

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 17

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं भाषा-शिक्षण

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u> ।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए ।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं ।**

1. भाषा-शिक्षण में त्रुटि विश्लेषण को समझाकर लिखिए।
2. भाषा-शिक्षण में मूल्यांकन प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।
3. भाषा-शिक्षण की किन्हीं दो विधियों की सम्यक् जानकारी दीजिए और साथ ही अपने अनुभव पर आधारित उदाहरणों से बताइये कि विद्यार्थी इन विधियों से कैसे लाभान्वित होते हैं।
4. आकाशवाणी के हिन्दी विदेश सेवा प्रभाग की विभिन्न सेवाओं के बारे में लिखिए और स्पष्ट कीजिए कि विदेशी विद्यार्थियों के हिन्दी सीखने में आकाशवाणी किस प्रकार से सहायक है।
5. क्या आप ऑनलाइन भाषा-शिक्षण को एक बेहतर शिक्षण प्रणाली मानते हैं ? तर्क और उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

*****

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – V (विकल्प – 02)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 18 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – 02

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 18

पाठ्यचर्या का शीर्षक : सृजनात्मक लेखन

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u>।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. फुटपाथ या रेलवे बुक स्टॉल पर अधिक बिकने वाले हिन्दी के किसी लोकप्रिय उपन्यासकार का सामाजिक उपन्यास पढ़िए और प्रेमचंद के उपन्यासों से उसकी तुलना विस्तार में कीजिए।
2. किसी रेडियो / टी॰वी॰ चैनल के लिए 'महिला आरक्षण' पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए।
3. आप ऐसे कितने लेखकों को जानते हैं जिनका जीवन और लेखन सामाजिक सरोकारों के सन्दर्भ में एकमेक लगता है ? उनकी सूची बनाइए और एक सारगर्भित आलेख तैयार कीजिए।
4. पुस्तक मेले या इंटरनेट पर ऑनलाइन बिकने वाली हिन्दी साहित्य की कुछेक पॉपुलर रचनाओं का वस्तुगत और विधागत वर्गीकरण कीजिए।
5. क्या आप यह मानते हैं कि आज मनुष्य लगातार सम्वेदनहीनता की ओर अग्रसर हो रहा है। इस सम्वेदनहीन दौर में बतौर एक सृजनात्मक लेखक आप मानवीयता का सन्देश किस तरह देंगे ? अपनी सृजनात्मकता की अभिव्यक्ति कीजिए।

*****

परिशिष्ट- 01

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

›

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

.....

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्यचर्या का शीर्षक :

.....

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

नामांकन संख्या:

पत्राचार पता :

मोबाइल नं. :

ई-मेल :

.....

सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान :

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

*****